आजा आजा लीले चढ़के सांवरा पागल हुआ रे मन बावरा लिरिक्स

आजा आजा लीले चढ़के सांवरा,
पागल हुआ रे मन बावरा,
बेचैन आँखें मेरी देख ज़रा,
पागल हुआ रे मन बावरा।bd।

तर्ज – जाओ चाहे दिल्ली मुंबई।

आके प्यारी सूरत, अपनी दिखा दे,
अँखियों की मेरी, प्यास बुझा दे,
दिल से दिलों का, मेल करा दे,
सपने मेरे तू, सच कर दिखा दे,
सुनले ओ खाटू के राजा,
देर करो ना जल्दी आजा,
राह निहारें तेरी टाबरा,
पागल हुआ रे मन बावरा
आजा आजा लीले चढ़के साँवरा,
पागल हुआ रे मन बावरा।bd।

ये प्रेम का धागा, जबसे बंधा है,
जीवन ये तेरे, रंग में रंगा है,
दीवानगी का, तेरे नशा है,
ये रोग जबसे, मुझको लगा है,
हँसता है ये मुझपे ज़माना,
कहके तेरा श्याम दीवाना,
प्रीत करो ना आके और गहरा,
पागल हुआ रे मन बावरा
आजा आजा लीले चढ़के साँवरा,
पागल हुआ रे मन बावरा।bd।

तू प्रेमियों का, प्रेमी कहाये,
रोते हुए को, पल में हंसाये,
हारे का तू ही, साथी कहाये,
रिश्ते को सच्चे, मन से निभाए,
हे तीनो लोकों के स्वामी,
सबके हो अंतर्यामी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

‘कुंदन’ का जाने सारा माजरा,
पागल हुआ रे मन बावरा
आजा आजा लीले चढ़के साँवरा,
पागल हुआ रे मन बावरा।bd।

आजा आजा लीले चढ़के सांवरा,
पागल हुआ रे मन बावरा,
बेचैन आँखें मेरी देख ज़रा,
पागल हुआ रे मन बावरा।bd।

Singer – Sanjay Soni

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com